

न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर सर्किट कोर्ट कैम्प रीवा

म०प्र०



R-3774-11/14

गजाधर तनय श्री मंगलदीन सोनी निवासी ग्राम डेलही तहसील मनगवां जिला रीवा 12.10.14

म०प्र०

-----निगरानीकर्ता

बनाम्

रामनरेश पिता रामधनी सोनी निवासी ग्राम डेलही, तहसील मनगवां जिला रीवा

म०प्र०

-----गैर निगरानीकर्तागण

निगरानी विरुद्ध निर्णय व आदेश तहसीलदार

मनगवां द्वारा प्रकरण क्रमांक 5370/2012-13

दिनांक 28.08.14 को पारित किया गया।

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म०प्र० भू राजस्व
संहिता।

श्री... विष्णु प्रीत... द्वारा आज दिनांक 12.10.14 को प्रस्तुत किया गया।
रिडर
सर्किट कोर्ट रीवा

क्रमांक 3418
सर्किट कोर्ट द्वारा आज दिनांक 29.10.14 को प्रस्तुत

राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर
मान्यवर,

प्रकरण के संक्षिप्त विवरण:-

1. यह कि निगरानीकर्ता द्वारा तहसीलदार तहसील मनगवां जिला रीवा म०प्र० के न्यायालय मे धारा 250 म०प्र० भू राजस्व संहिता के तहत आराजी नं-840 रकवा 0.097 हेक्टेयर, व आराजी नं-841 रकवा 0.024 हेक्टेयर स्थित मौजा डेलही, पटवारी हल्का डेलही, राजस्व निरीक्षक मण्डल डेलही, तहसील मनगवां जिला रीवा म०प्र० स्थित भूमि मे अनावेदक रामनरेश सोनी द्वारा अवैध रूप से निगरानीकर्ता के स्वामित्व की भूमि मे मकान का निर्माण कार्य कर कब्जा किया जा

गजाधर प्रसाद सोनी

M

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक R-3224/111/14 जिला बीकानेर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
24.2.2016	<p><u>गजाधर (तोनी)</u> <u>लमरोथ</u></p> <p>कार्यवाही तथा आदेश</p> <p>प्रकरण में आवेक अधिनियम और पौखलियायिका के इस प्रस्ताव तर्कों पर विचार किया गया तथा सिंगली मेमो में अंकित तर्कों पर विचार किया गया एवं प्रस्तावित अधिनियम 28-8-14 का परिशीलन किया गया।</p> <p>परिशीलन के पश्चात् पट्टा गया कि यह अधिनियम प्रमाण में ऐसा कोई अंतिम आदेश जारी नहीं किया गया है जिससे किसी भी पक्ष के हित अक्षयित रूप से प्रभावित हुए होने की कोई सम्भावना उत्पन्न हुई हो। अभी प्रकरण में तदनुसार प्रारंभिक समय के मौखिक एवं लेखीय साक्ष्य हेतु पेशी नियम की गई है जहां अप पक्ष को अपना-2 पक्ष समय के लिए का पत्र लिख एवं अक्षयित अवसर उपलब्ध है।</p> <p>उपरोक्त विवेचना के आधार पर 1800 के अधिनियम अधिनियम 28-8-14 में किसी प्रकार के हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। पौखलियायिका प्रकरण में ग्राहक का पत्र लिख एवं विधिक आधा न होने से यह सिंगली प्रकरण अग्रगण्य किया जाना ही पक्षकार अक्षयित है। प्रस्तावित है।</p> <p style="text-align: right;">साक्ष्य</p>	<p>पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर</p>